Self Respect

23rd May,2014

रूहानी बाप रूहानी बच्चों को समझाते हैं, अब यह तो बच्चे जानते हैं कि दैवी स्वराज्य का उद्घाटन तो हो चुका है | अब तैयारी हो रही है वहाँ जाने लिए |

बेहद के बाप से बेहद का वर्सा कैसे मिल रहा है | ऐसा कोई दूसरा मनुष्य नहीं जो जानता हो तुम ब्राह्मणों के सिवाए |

बेहद का बाप आकर बेहद का वर्सा दे रहे हैं कल्प पहले मिसल, ड्रामा प्लैन अनुसार |

तुम बच्चों को मालूम है ना कि हम बेहद के बाप से बेहद का वर्सा ले रहे हैं | यहाँ तो निश्चयबुद्धि बच्चे ही आते हैं |

युद्ध में भी 3 प्रकार के होते हैं, फर्स्टक्लास, सैकण्ड क्लास और थर्डक्लास | कभी-कभी युद्ध न करने वाले भी देखने के लिए आ जाते हैं | वह भी एलाऊ किया जाता है | शायद कुछ रंग लग जाये और इस सेना में आ जायें क्योंकि दुनिया को यह पता नहीं है कि तुम महारथी योद्धे हो | तुम बच्चों को बाप ज्ञान के अस्त्र-शस्त्र देते हैं, इसमें हिंसा की बात ही नहीं | परन्तु यह समझते नहीं हैं |

सबसे अच्छी है यह तन्दुरुस्ती | फिर चाहिए धन, जिससे सुख मिले | बाप कहते हैं तुमको हेल्थ और वेल्थ दोनों ही मिलनी है ज़रूर |

तुम जानते हो यह दुनिया नई कब होती है, पुरानी कब होती है? हम आत्मायें नई दुनिया में जाती हैं फिर पुरानी में आती हैं | तुम्हारा नाम ही रखा है ऑलराउंडर | बाप ने समझाया है तुम ऑलराउंडर्स हो | पार्ट बजाते-बजाते अभी बहुत जन्मों के अन्त में आकर पहुँचे हो | पहले-पहले शुरू में तुम पार्ट बजाने आते हो |

सब कहते हैं वह(शिव) हमारा वारिस है, हम उनके वारिस हैं क्योंकि हम उन पर फ़िदा हुए हैं | जैसे बाप बच्चों पर फ़िदा हो सारी प्रॉपर्टी उनको दे ख़ुद वानप्रस्थ में चले जाते हैं, यहाँ भी तुम समझते हो बाबा के पास हम जितना जमा करेंगे वह सेफ़ हो जायेगा | गायन भी है किनकी दबी रहेगी धूल में..... |

तुम जानते हो हमारी माला बनती है | यह भी तुम बच्चों की ही बुद्धि में है और किसकी बुद्धि में नहीं है | रूद्र माला उठाकर फेरते रहते हैं | तुम भी फेरते थे ना | अनेक मन्त्र जपते थे |

बाबा कहते हैं मैं तुमको इन लक्ष्मी-नारायण जैसा बनाता हूँ अर्थात् राजाओं का भी राजा बनाता हूँ | यह कांटे, फूलों के आगे जाकर माथा झुकाते हैं |

तुम जानते हो यह सब विनाश हो जायेंगे और तुम सारे विश्व के मालिक बन जायेंगे | तुमको कहाँ कुछ ढूँढ़ना नहीं पड़ेगा | तुम तो बहुत ऊँच घर में जन्म लेते हो | पैसे की दरकार ही नहीं | राजाओं को कभी पैसे लेने का ख्याल भी नहीं होगा | देवताओं को तो बिल्कुल नहीं रहता | बाप तुमको इतना सब कुछ दे देते हैं जो कभी चोरी चकारी, इर्ष्या आदि की बात ही नहीं | तुम बिल्कुल फूल बन जाते हो | कांटे और फूल हैं ना | यहाँ सब कांटे ही कांटे हैं |

बाप ख़ास कहते हैं – मीठे-मीठे रूहानी बच्चों, भक्ति मार्ग में देह-अभिमान के कारण तुम सबको याद करते थे, अब मामेकम् याद करो | एक बाप मिला है तो उठते-बैठते बाप को याद करो तो बहुत ख़ुशी होगी | बाप को याद करने से सारे विश्व की बादशाही मिलती है | जितना टाइम कम होता जायेगा उतना जल्दी-जल्दी याद करते रहेंगे | दिन-प्रतिदिन क़दम बढ़ाते रहेंगे | आत्मा कभी थकती नहीं है |

भक्ति मार्ग में जिसके लिए इतना सब कुछ किया वह कहते हैं अब मुझे याद करो |

तुम बच्चों को बाप यहाँ ही सब अनुभव कराते हैं – स्वर्ग कैसा होगा | अभी तो नहीं है | ड्रामा में यह भी नूँध है | बच्चों को साक्षात्कार होता है | वहाँ के फल आदि कैसे अच्छे मीठे होते हैं – तुम ध्यान में देख आकर सुनाते हो | फिर अभी जो साक्षात्कार करते हो वह वहाँ जब जायेंगे तब इन आँखों से देखेंगे, मुख से खायेंगे | जो भी साक्षात्कार करते हो वह सब इन आँखों से देखेंगे, फिर है पुरुषार्थ पर |

तुम यहाँ आते ही हो सीखने के लिए कि हम यह शरीर छोड़कर कैसे जायें | मंज़िल है ना |

बाप कहते हैं मुझे याद करो तो पावन बन जायेंगे | फिर शरीर भी तुमको पावन मिलेगा | 5 तत्व भी पावन बन जायेंगे |

सेवा के साथ-साथ बेहद के वैराग्य वृत्ति की साधना को इमर्ज करने वाले सफ़लता मूर्त भव

अच्छा!

मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का यादप्यार और गुडमॉर्निंग | रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते |